❶

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

आर्य संदेश टीवी

www.AryaSandeshTV.com

आर्य समाज का 24 घण्टे चलने वाला टीवी चैनल

वर्ष 46, अंक 19 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 3 अप्रैल, 2023 से रविवार 9 अप्रैल, 2023

विक्रमी सम्वत् 2080 सृष्टि सम्वत् 1960853124

दयानन्दाब्द : 200 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8

दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के आयोजनों की श्रृंखला

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के तत्वावधान में प्रोजेक्ट प्रगति का शुभारम्भ

आर्यसमाज ह्यूस्टन एवं आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के सहयोग से प्रोजेक्ट प्रगति के अन्तर्गत प्रथम वर्ष में दी गई

आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु 7 लाख की छात्रवृत्ति

प्रगति छात्रवृत्ति योजना राष्ट्र निर्माण में होगी सहयोगी - आगामी वर्षों में छात्रवृत्तियों की संख्या और बढ़ेगी

लाभार्थी विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं - सुरेन्द्र कुमार आर्य, चेयरमैन, जे.बी.एम. ग्रुप

मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से मिलेगी विद्यार्थियों को सफलता - भूषण वर्मा, आर्यसमाज, ह्यूस्टन

नये भारत के निर्माण में आर्य समाज के सेवा प्रकल्पों की अहम भूमिका - धर्मपाल आर्य, प्रधान, दिल्ली सभा

भारत के उज्जवल भविष्य के लिए आर्य समाज हमेशा से शिक्षा सेवा यज्ञ का वृहद प्रकल्प चलाता आ रहा है। जिसमें गुरुकुल, कन्या गुरुकुल, आर्य विद्यालय, आदिवासी क्षेत्रों में बालवाड़ी, छात्रावास, अनाथालय और विश्व प्रसिद्ध डीएवी जैसे शिक्षण संस्थान प्रमुखता से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अनुक्रम में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सेवा इकाई अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के अंतर्गत आर्य प्रतिभा विकास संस्थान द्वारा पूरे भारत के उन मेधावी विद्यार्थियों को जो योग्य होने के बाद भी आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते और राष्ट्र के उच्च पदों पर सेवा करने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे होनहार विद्यार्थियों को दयानंद सेवा श्रम संघ द्वारा भारत की राजधानी दिल्ली में निशुल्क भोजन, आवास और कोचिंग प्रदान कराई जा रही है। परिणाम स्वरूप आज आर्य समाज के इस विशेष शिक्षा सेवा प्रकल्प के माध्यम से छः विद्यार्थी आईएएस अधिकारी और दो दर्जन से अधिक अन्य विशिष्ट सेवाओं में संलग्न हैं।

25 मार्च 2023 को आर्य समाज हनुमान रोड़ के सभागार में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ द्वारा महाशय धर्मपाल जी की 100वीं जयंती पर आर्य समाज के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्यों ने महाशयजी के महान व्यक्तित्व को स्मरण किया और प्रतिभाशाली मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की। - शेष पृष्ठ 3 एवं 5 पर

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के अवसर पर दिल्ली में वेद प्रचार कार्यक्रमों का शंखनाद

विभिन्न सार्वजनिक स्थलों- पार्क, चौक, चौराहों पर होगा वेद प्रचार

लगातार 4 मास तक प्रतिदिन पं. नरेशदत्त जी के वेद प्रचार वाहन से होंगे प्रचार कार्यक्रम

देववाणी-संस्कृत

अमृत-आत्मज्ञान

वेद-स्वाध्याय

यत्रा सुपर्णा अमृतस्य भागमनिमेषं विदथाभिस्वरन्ति।
इनो विश्वस्य भुवनस्य गोपाः स मा धीरः पाकमत्रा विवेश।। - ऋ. 1/164/21
ऋषिः दीर्घतमाः।। **देवता** - विश्वेदेवाः।। **छन्दः त्रिष्टुप्।।**

शब्दार्थ - यत्र = जहां, इस शरीर में **सुपर्णाः** = सुपतनशील इन्द्रियां **अनिमेषम्** = निरन्तर **अमृतस्य** = अमृतज्ञान के **भागम्** = अपने भाग का लाकर **विदथा** = वेदन के साथ **अभिस्वरन्ति** = चल रही हैं, मानो बोल रही हैं **अत्र** = उस, इस मेरे शरीर में **विश्वस्य भुवनस्य** = सब ब्रह्माण्ड का **इनः** = ईश्वर **गोपाः** = और सब भुवन का रक्षक **सः धीरः** = वह धीमान् ज्ञानमय **पाकं मा** = मुझ पक्तव्य में (अपरिपक्व में) **आविवेश** = प्रविष्ट होवे।

विनय- मनुष्य एक कच्चे घड़े के समान है, जब तक कि यह आत्मज्ञान की अग्नि में पक नहीं जाता। मैं कच्चा घड़ा इस संसार-सागर में पड़ा हुआ घुल रहा हूं, नष्ट होता जा रहा हूं। हे जगदीश्वर! यदि तुम्हारे ज्ञान की अग्नि की आंच मुझे शीघ्र पका न देगी तो मैं जल्दी ही समाप्त हो जाऊंगा। मैं अभी तक 'पाक हूं'- पक्तव्य हूं, कच्चा हूं। तुम पक्व हो, विपक्वप्रज्ञ हो। तुम शीघ्र मुझमें प्रवेश करो। तुम अमृत हो, मैं अभी तक मर्त्य हूं। तुम इस भुवन के ईश्वर हो, मैं अनीश हूं। जिस दिन मुझे आत्मा का ज्ञान हो जाएगा, अपनी अमरता का भान हो जाएगा तो मैं पक जाऊंगा। आत्मज्ञानी, अमर, परिपक्व होकर मैं तो संसार में पड़ा हुआ भी गल नहीं सकूंगा। मुझमें प्रविष्ट होकर मुझे अमर कर दो, पका दो। इस कच्चे घड़े में (शरीर में) यद्यपि इन्द्रियां लगातार कुछ-न-कुछ ज्ञान लाती हुई चल रही हैं, परन्तु उनके लाये हुए ज्ञान में-जुगनू के-से तुच्छ प्रकाश में-वह अग्नि नहीं है जो मुझे पका सके। सच तो यह है कि वे इन्द्रियां जिस पूर्ण अमर ज्ञान के एक अंश को अपने वेदन में लाती हैं, उसी की अभिलाषा अब मुझे लग गई है। उन्हीं द्वारा पता लगा है कि कोई अमृत ज्ञान भी है जिसके द्वारा मैं पूरा पक सकता हूं। इन्द्रियों में जो वेदन है वह तुम्हारे ही अपार ज्ञान, अनन्त चैतन्य से आता है। यह समझ आ जाने पर आज ये इन्द्रियां मेरे लिए जो कुछ ज्ञान लाती हैं उसमें मुझे अमरता का ही सन्देश सुनाई देता है। ये जो भी कुछ वेदन करती हैं उसमें मुझे वे यही बोल रही हैं'-तू अमर बन, अमर बन! अपने को पका ले, पका ले!'' अतः हे सब ब्रह्माण्ड के स्वामिन्! मुझे पक्का करने के लिए तुम मेरे इस शरीर के भी स्वामी हो जाओ। हे त्रिभुवन के रक्षक! इस शरीर की भी रक्षा करो। हे धीर! ज्ञानमय! तुम्हारे प्रविष्ट हुए बिना यह कच्चा घड़ा कब तक रक्षित रह सकता है।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की २००वीं जयंती के आयोजनों की श्रंखला में

ऐतिहासिक कार्यक्रमों की अपार सफलता के लिए आर्य जगत को हार्दिक बधाई

आर्य समाज द्वारा मनाए जाने वाले पर्वो में महर्षि दयानंद सरस्वती जी का जन्मोत्सव, बोध दिवस, आर्य समाज स्थापना दिवस आदि सदैव प्रमुख पर्व रहे हैं। इससे भी आगे जब महर्षि की 200वीं जन्म जयंती का अवसर हो, तब तो संपूर्ण आर्य जगत में अत्यंत उमंग, उत्साह और उल्लास का होना स्वाभाविक ही है। जिसका दिग्दर्शन हमने 12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया। महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना दिवस के दो वर्षीय आयोजनों का शुभारंभ 12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में अपनी अभूतपूर्व ऐतिहासिक सफलता के साथ सफल होना संपूर्ण आर्य जगत के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए आर्य समाज के सभी कार्यकर्ताओं, अधिकारियों और सदस्यों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए हमें अद्भुत गर्व की अनुभूति हो रही है।

दो वर्षीय आयोजनों के क्रम में विश्व पुस्तक मेले में वैदिक साहित्य का स्टाल लगाया गया, जिसमें आर्य समाज के वैदिक साहित्य की प्रबलता से मांग रही और आर्य समाज के प्रचार प्रसार को आगे बढ़ाया गया, आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह अपनी अद्भुत सफलताओं के साथ संपन्न हुआ। आर्य समाज का 148वां स्थापना दिवस, जिसमें भारत के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने संपूर्ण आर्य जगत के लिए प्रेरक उद्बोधन दिया और अब लगातार दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवम आर्य केंद्रीय सभा द्वारा वेद प्रचार रथ के माध्यम से जन जागरण अभियान गतिशील है। तो इस तरह से कहना चाहिए कि आर्य समाज एक नई ऊर्जा के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए आर्य समाज के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य सभी बधाई के पात्र हैं। यह क्रम लगातार 2 वर्षों तक चलता रहेगा और संपूर्ण विश्व में महर्षि दयानंद और आर्य समाज की विचार धारा का प्रसार और विस्तार संभव होगा।

31 दिसंबर 2022 को आर्य समाज का प्रतिनिधिमंडल गुजरात के माननीय राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी के नेतृत्व में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिला था। उस समय आर्य समाज द्वारा महर्षि की 200 वीं जयंती और आर्य समाज के 150 वें स्थापना दिवस के दो वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ अवसर पर पर प्रधानमंत्री जी को आमंत्रित किया गया था। लगभग आधी जनवरी बीत जाने के बाद प्रधानमंत्री जी की स्वीकृति प्राप्त हुई। यह अपने आप में एक अत्यंत प्रसन्नता की बात थी। लेकिन एक महीने में इतना भव्य, विराट और विशाल आयोजन करना, जिसमें विश्व के सबसे लोकप्रिय, विख्यात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पधारे रहे हों, उनका आर्य समाज की ओर से भव्य स्वागत करना, और आर्य समाज के संदेश को जन जन तक पहुंचाना, समस्त आर्य जनों को आमंत्रित करना, उनके उत्साह को नियंत्रित रखना, आर्य समाज की मान्यताओं, परंपराओं और सिद्धांतों की संक्षिप्त झलकियां प्रस्तुत करना, सुरक्षा की दृष्टि से भी सावधानी रखना, सबके लिए जलपान और भोजन सहित, साज सज्जा आदि अपने आप में एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन जहां चाह वहां राह की लोकोक्ति को चरितार्थ करते हुए आर्य समाज के कुशल नेतृत्वकर्ता अधिकारी, कार्यकर्ताओं ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अथक परिश्रम और पुरुषार्थ करके कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया। यह अपने आप में एक अत्यंत आनंद पूर्ण सुखद अनुभूति है।

12 जनवरी को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का परिसर पूरी तरह से खचाखच भरा हुआ था। स्टेडियम के अंदर तो पैर रखने की जगह नहीं थी और बाहर भी आर्यजन उपस्थित थे। आर्य समाज के सेवा कार्यों की प्रदर्शनी को देखकर प्रधानमंत्री जी ने जो संतोष जताते हुए प्रशंसा व्यक्त की, यह आर्य समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादाई है। आर्य समाज के यज्ञ में श्रद्धा पूर्वक आहुति देना भी अपने आपने गौरव की बात है। इससे भी बड़ी बात प्रधानमंत्री जी का सारगर्भित प्रेरक उद्बोधन, जिसमें उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन को सरल सहज शब्दों में प्रस्तुत किया और आर्य समाज के सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा भी की। उन्होंने अपने लगभग 37 मिनट के उद्बोधन में महर्षि दयानंद सरस्वती जी के उपकारों को ना ही केवल याद किया बल्कि उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने पर बल भी दिया। आर्य समाज के सेवा कार्य तथा महर्षि दयानंद सरस्वती से प्रेरित देश भक्तों की महिमा का उनके द्वारा किया गया बखान आज संपूर्ण विश्व पटल पर छाया हुआ है। प्रधानमंत्री जी ने आर्य समाज से कुछ अपेक्षाएं भी की हैं। उन्होंने कर्तव्य यज्ञ की प्रेरणा देते हुए हमें जगाने का प्रयास किया है, जिसका भाव हम ऐसे भी समझ सकते हैं-

मत करना बात निराशा की, जीवन संभल की आशा है,
कर्तव्य कर्म करते जाओ, यही जीवन की परिभाषा है।

इस क्रम में आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य द्वारा 18 फरवरी 2023 को महर्षि का बोध दिवस (ऋषि मेला) रामलीला मैदान में अपार सफलताओं के साथ संपन्न हुआ, 7 मार्च को आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह की अभूतपूर्व सफलता और 21 मार्च 2023 को आर्य समाज का 148वां स्थापना दिवस जिसमें भारत के गृहमंत्री श्री अमित शाह का ऐतिहासिक उदबोधन संपूर्ण आर्य जगत और विश्व को प्रेरणा दे रहा है। यह श्रंखला लगातार चलती रहेगी और संपूर्ण विश्व में आर्य समाज नई ऊर्जा के साथ प्रगति करेगा।

- शेष पृष्ठ 6 पर

प्रथम पृष्ठ का शेष

अगले दो वर्षों में 200 प्रतिभाशाली गरीब विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा एवं आई.ए.एस. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग, भोजन एवं आवास की व्यवस्था करेगा आर्य समाज - विनय आर्य, महामन्त्री

इस अवसर जेबीएम ग्रुप के चेयरमैन और अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के प्रधान श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी, आर्य समाज ह्यूस्टन से श्री भूषण वर्मा जी, श्री धर्मपाल आर्य जी, श्री सुरेंद्र रैली जी, श्रीमती सुषमा शर्मा जी, श्री सत्यानंद आर्य जी, श्री विद्यामित्र ठुकराल जी, श्री राजकुमार गुप्ता जी, श्रीमती उषा किरण कथूरिया जी, श्री विनय आर्य जी, श्री जोगेंद्र खट्टर जी, श्री सतीश चड्ढा जी श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी, श्री ओम प्रकाश आर्य जी और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ, आर्य केंद्रीय सभा, सभी वेद प्रचार मंडलों के समस्त अधिकारी, दिल्ली की विभिन्न आर्य समाजों के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य उपस्थित थे। सर्व प्रथम महाशय धर्मपाल जी की स्मृति में आयोजित यज्ञ में श्रीमती सुषमा शर्मा जी, श्री भूषण वर्मा जी, श्री अमित जी और सचिन जी ने यजमान के रूप में आहुति दी और सबने महाशय जी के द्वारा संचालित सेवा और परोपकार के कार्यों से प्रेरणा ली।

इसके उपरांत आर्य कन्या गुरुकुल सैनिक विहार की छात्राओं ने मधुर भजन प्रस्तुत किए तथा श्री सुरेंद्र कुमार आर्य श्री भूषण वर्मा, श्री धर्मपाल आर्य, श्री सत्यानंद आर्य, श्रीमती विजय लक्ष्मी, श्रीमती सुषमा शर्मा, श्री सुरेंद्र रैली, श्री राजकुमार गुप्ता, श्री राजीव तलवार, श्रीमती उमाशशि दुर्गा इत्यादि महानुभावों को सम्मानित किया गया।

श्री भूषण वर्मा जी ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि यह मेरा सौभाग्य है, कि आज मैं अपनी धर्मपत्नी श्रीमती विजय लक्ष्मी जी के साथ आप सबके बीच हूं। 12वीं कक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए जो धन की आवश्यकता होती है उसका मुझे पता है, क्योंकि मैं भी छात्रवृत्ति लेकर पढ़ा हूं। आप सब बड़े होनहार हैं। लेकिन मैं आप सबसे यह अवश्य कहना चाहता हूं कि जीवन में सफलता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण होना ही चाहिए। उन्होंने बच्चों को अर्जुन का उदाहरण देते हुए समझाया कि लक्ष्य पर ध्यान रखकर जब उसने बाण चलाया तभी वह सफल हो पाया। इसीलिए अपनी दिनचर्या में अनुशासन रखकर मेहनत करो और लक्ष्य को सामने रखो, सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी ने महाशय धर्मपाल जी को स्मरण करते हुए नमन किया और आर्य समाज द्वारा संचालित आर्य प्रतिभा विकास संस्थान के माध्यम से किए जा रहे सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह सिक्किम सरकार द्वारा भी आर्य प्रतिभा विकास संस्थान के माध्यम से विद्यार्थियों का निर्माण हो रहा है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती के सफल आयोजनों की भी अपने सबको बधाई दी। इस अवसर पर छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के माता-पिता भी उपस्थित थे।

विशिष्ट प्रतिभावान विद्यार्थी शिवम और निष्ठा के आत्मविश्वास को देखकर सब भावविभोर हो गये। सभी बच्चों को पीत वस्त्र पहनाए गए और सबको छात्रवृत्ति का चैक दिया गया। सभी बच्चों के मुखमंडल पर प्रसन्नता और विश्वास था।

श्री जोगेंद्र खट्टर जी ने सभी बच्चों की कक्षा और शिक्षा का विषय बताया। श्री विनय आर्य जी ने आर्य समाज ह्यूस्टन अमेरिका से पधारे श्री भूषण वर्मा जी और श्रीमती विजय लक्ष्मी जी का परिचय देते हुए कहा कि आपको 50 वर्ष अमेरिका में रहते हुए हो गये हैं और आपने आर्य समाज के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए वहां आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के पूर्व प्रधान पद को भी गौरव प्रदान किया है। आपने 1 करोड़ रुपए कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान किए हैं। विनय आर्य जी ने अमेरिका से श्री देव महाजन जी आदि महानुभावों के परोपकारी स्वभाव और दानशीलता के विषय में विस्तार से बताया। सभा की अपील पर श्री यज्ञदत्त आर्य जी, श्री सुभाष चांदना जी एवं श्री वीरसेन मुखी जी ने 11 हजार रुपये वार्षिक योगदान देने की घोषणा की।

आर्य प्रतिभा विकास संस्थान के चेयरमैन श्री राजकुमार गुप्ता जी की सेवा भावना और योगदान की प्रशंसा करते हुए आपने बताया कि आने वाले समय में श्री राजकुमार जी दिल्ली में 200 विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था के साथ-साथ कोचिंग में भी सहायता प्रदान करने का मन बना चुके हैं, सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी महानुभावों का अभिनंदन किया।

सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने कहा कि आर्य समाज के सेवा प्रकल्प नए भारत के निर्माण में सहयोगी और प्रेरणा का कार्य कर रहे हैं। यह प्रकल्प महर्षि दयानन्द और आर्य समाज की यश कीर्ति को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारत के भविष्य और विश्व की आशा को साकार करने वाले सिद्ध होंगे। उन्होंने आगंतुक महानुभावों का आभार करते हुए सर्वश्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी, भूषण वर्मा जी, राजकुमार गुप्ता जी, सत्यानंद आर्य जी, सुषमा शर्मा जी और उपस्थित सभी महानुभावों का नाम लेकर आभार किया। इस अवसर पर महाशय धर्मपाल जी के जीवन पर आधारित अंग्रेजी पुस्तक का भी विमोचन हुआ। पुस्तक की अनुवादक श्रीमती अनु वासुदेवा जी ने बताया कि महाशय जी का जीवन हम सब के लिए प्रेरणा का स्रोत है, श्रीमती सुषमा शर्मा जी ने सबका धन्यवाद किया और कहा कि आज महाशय जी की 100वीं जयंती पर आगमन से मैं गौरवान्वित हूं। दिल्ली सभा के वेद प्रचार अधिष्ठाता श्री सत्यकाम विद्यालंकार जी ने संक्षिप्त उद्बोधन में प्रेरणा देते हुए शांति पाठ कराया और कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के महामन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्टर ने किया।

- शेष चित्रमय झांकी पृष्ठ 5 पर

प्रोजेक्ट प्रगति : छात्रवृत्ति वितरण समारोह
श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी का उद्बोधन

हम सबके श्रद्धेय महाशय धर्मपाल जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर मैं उनके पवित्र चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, परमेश्वर से उनके अनेक गुणों के कुछ अंश की अपने लिए भी कामना करता हूं। मुझे प्रसन्नता है कि श्रीमती अनु वासुदेवा जी द्वारा संकलित महाशय जी के जीवन पर आधारित अंग्रेजी पुस्तक 'शाहजी : दि किंग ऑफ स्पाइस' का भी आज विमोचन हुआ है। यह पुस्तक जहां महाशय जी के महान व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालती है वही यह आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी सिद्ध होगी।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित नवीन प्रकल्प प्रगति के अंतर्गत इस छात्रवृत्ति वितरण समारोह में उपस्थित सम्मानित अतिथि भूषण वर्मा जी, श्रीमती वर्मा जी, भाई धर्मपाल जी, रैली जी, राजकुमार जी, सत्यानंद आर्य जी, बहन सुषमा शर्मा जी अमेरिका से पधारे आशुतोष गर्ग जी, विनय आर्य जी आर्य समाज के सशक्त कार्यकर्ताओं देवियों सज्जनों एवं भारतवर्ष के भविष्य की आशाओं के प्रत्येक युवा साथियो!

12 फरवरी को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 2 वर्षीय कार्यक्रमों के उद्घाटन के विशाल एवं भव्य समारोह के बाद लगातार आर्य समाज के विशाल कार्यक्रमों से बेहद उत्साह का वातावरण है। ऋषि बोध दिवस, होली का पर्व, उदयपुर में नवलखा महल के नवीनीकरण का लोकार्पण एवं अभी 21 मार्च को आर्य समाज स्थापना दिवस के बेहद भव्य कार्यक्रम के पश्चात शीघ्र ही आपसे मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। परमेश्वर करें हम सब की ऊर्जा उत्साह और एक साथ तीव्र गति से आगे बढ़ने की भावना और बलवती हो, मैं अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के अंतर्गत नए प्रोजेक्ट प्रगति के पहले कार्यक्रम में आपका स्वागत करता हूं। विशेष स्वागत एवं आभार हमारे अमेरिका के आर्य समाज ह्यूस्टन एवं वहां के सभी आर्य परिवारों का जिन्होंने न केवल अमेरिका में आर्य समाज स्थापित किए बल्कि वह उन्हें बढ़ाया और फैलाया अनेक वर्षो दशकों के विदेश प्रवास के बाद भी आपका भारत प्रेम लगातार बढ़ता ही रहा है और अपने मातृभूमि के उज्जवल भविष्य के लिए कुछ करने की इच्छा के कारण ही यह प्रोजेक्ट शुरू हुआ है जिसकी सफलता में को संदेह नहीं क्योंकि इसे शुरुआत से ही इतना भारी समर्थन इसने और सहयोग मिल रहा है जिसकी कल्पना भी हमने नहीं की थी।

इन छात्रवृत्ति यों के लिए हमने अपनी वेबसाइट पर आवेदन आमंत्रित किए लगभग 300 युवाओं ने आवेदन किया, निश्चित क्राइटेरिया के तहत सिलेक्शन प्रोसेस और चयन समिति के द्वारा इंटरव्यू के बाद सारे भारतवर्ष के विभिन्न क्षेत्रों से 15 विद्यार्थियों को चुना गया, जिन्हें उनकी क्षमता और आवश्यकता के अनुसार छात्रवृत्ति आदि जा रही है। मुझे विश्वास है कि यह सभी छात्र अपने पूरे मनोयोग से इसका पूर्ण लाभ उठाते हुए सफलता प्राप्त करेंगे और भविष्य में आर्य समाज की सेवा के द्वारा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे मैं सभी लाभार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

अमेरिका के सभी महानुभावों का विशेष धन्यवाद जिन्होंने इस कार्य के महत्व को समझा और एक कॉरपस के माध्यम से इसे लगातार चलने वाले प्रकल्प की शुरुआत की। मुझे विश्वास है कि आप से प्रेरणा पाकर अन्य बहुत से लोग इस प्रकल्प से जुड़ेंगे। पुन: सभी को पिछले 40 दिनों में आयोजित सभी कार्यक्रमों की अपार सफलता की बधाई और हार्दिक धन्यवाद। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आर्य समाज उन्हें अपने गौरवम इतिहास की पुनरावृत्ति करेगा और हम सब गर्व से कह सकेंगे 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'। जय हिन्द-जय भारत-वन्दे मातरम।

नवलखा महल उदयपुर के सांस्कृतिक केन्द्र का भव्य लोकार्पण एवं विशाल आर्य महासम्मलेन संपन्न

वैदिक संस्कृति के पुनर्जागरण के पुरोधा थे महर्षि दयानन्द - आचार्य देवव्रत, राज्यपाल

महर्षि की 200वीं जयन्ती पर 200 लोगों को आर्य विचारधारा से जोड़ने का व्रत लें आर्यजन

महर्षि दयानंद की 200 वीं जयंती वर्ष पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 फरवरी को विश्वव्यापी कार्यक्रमों का शुभारम्भ दिल्ली से किया। इस शृंखला में देशभर का प्रथम भव्य कार्यक्रम उदयपुर राजस्थान स्थित नवलखा महल में सांस्कृतिक केंद्र के लोकार्पण एवं विशाल आर्य महासम्मेलन द्वारा 26 एवं 27 फरवरी को हुआ। सांस्कृतिक केंद्र का लोकार्पण गुजरात के माननीय राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा किया गया इस अवसर पर उन्होंने तीन खण्डों में निर्मित भव्य समान वीथिकाओं को जनता को समर्पित किया।

आचार्य देवव्रत ने विशाल आर्य जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि ने वैदिक संस्कृति के पुनर्जागरण में क्रान्तिकारी प्रयास किये और इन प्रयासों के प्रसारण में विशेषकर नवीन पीढ़ी को आकर्षित करने में श्रीमद्दयानंद सत्यार्थ प्रकाश न्यास, उदयपुर देश भर में अग्रणी संस्था है। संस्कार वीथिका, मिनी थियेटर एवं आर्यावर्त्त चित्रदीर्घा जैसे नव प्रकल्पों के द्वारा पर्यटकों के केंद्र उदयपुर में सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों को आकर्षित कर उन्हें वैदिक संस्कृति एवं संस्कारों से परिचित करवा रहे हैं।

लोकार्पण समारोह के प्रथम सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता जेबीएम ग्रुप के चेयरमैन श्री एस. के. आर्य ने की, स्वागत भाषण श्री सुरेश चन्द्र आर्य, प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट उपस्थिति पूर्व लोकायुक्त जस्टिस श्री सज्जन सिंह कोठारी एवं दानवीर डॉलर ग्रुप के अध्यक्ष श्री दीनदयाल गुप्त की रही। समारोह में अनेक गणमान्य संन्यासी, आर्य विद्वान्, उपदेशक एवं देश के कोने कोने से पधारे आर्यो का विशाल समूह उपस्थित था। मुख्य अतिथि के लिए स्वागत गीत वैदिक विद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री कैलाश कर्मठ जी के द्वारा भजन हुए।

ग्वालियर से पधारे विद्वान् श्री चन्द्रशेखर शर्मा ने सत्यार्थ प्रकाश के 14 समुल्लासों को 14 रत्न बताते हुए कहा की नवलखा महल में ये रत्न श्यमान हो रहे है। स्वातिपन्था न्यास के आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक, दिल्ली से आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय, सांसद सत्यपाल सिंह आदि गणमान्य आर्यो ने मंच की शोभा को बढ़ाया। मंच संचालन भूपेंद्र शर्मा ने किया।

प्रात:काल गुलाब बाग की सुंदर यज्ञशाला में प्राकृतिक वातावरण में यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमे यज्ञ ब्रह्मा आचार्य श्री वेदप्रिय एवं संयोजक इन्द्र प्रकाश यादव थे। मन्त्र पाठ आर्य कन्या गुरुकुल शिवगंज से आचार्या सूर्या जी के साथ पधारी ब्रह्मचारिणियों ने किया। मुख्य यजमान श्री दीनदयाल गुप्त, श्री सज्जन सिंह कोठारी, श्री कुलभूषण एवं श्री वासुदेव सपत्निक बनें।

इस अवसर पर नवलखा परिसर में यज्ञ के पश्चात् ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्जवलन माननीय राज्यपाल देवव्रत ने किया। इस आयोजन हेतु गुजरात के राज्यपाल ने पांच लाख रुपये के सहयोग की घोषणा भी की।

प्रथम दिवस के सायं कालीन सत्र में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के कर्मठ मंत्री श्री जीववर्धन शास्त्री ने सभा का संचालन किया। इस अवसर पर आर्य जगत् के अनेक गणमान्य विद्वान् संन्यासी मंचासीन थे। श्री विनय आर्य महामंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली ने भी अपने विचार प्रकट किये और आह्वान किया कि ऋषि की 200वीं जयंती वर्ष में प्रत्येक आर्य अन्य 200 लोगों को आर्य विचार धारा से जोड़ें। 4 पुस्तकों का सेट दिल्ली से उपलब्ध कराया जायेगा उसके प्रचार में सहयोगी बनें। सायंकालीन सभा में आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री किशनलाल गहलोत, कोषाध्यक्ष श्री जयसिंह गहलोत, वेद प्रचार रथ के संचालक स्वामी सच्चिदानंद, वेद प्रचारक डॉ. मोक्षराज, अशोक शर्मा, सत्यवीर भरतपुर आदि उपस्थित रहें। प्रधान किशनलाल गहलोत ने कहा कि ऋषि के कार्यो को संगठन की मजबूती से बढ़ाया जा सकता है। हम सब आर्यो को एक जुट होकर ऋषि की 200 जयंती को स्मरणीय बनाना है। अपने स्वार्थो से ऊपर उठकर वैदिक धर्म हेतु कार्य करना है।

जीववर्धन शास्त्री ने आर्य जनों को आर्य संस्थाओं को खुलकर दान देने का आह्वान भी किया ताकि प्रचार कार्य निरंतर होता रहे। नवलखा महल से चल रही सत्यार्थ मित्र एवं सत्यार्थ सौरभ जैसी योजनाओं में सहयोगी बने। इस अवसर पर सांसद स्वामी सुमेधानंद जी ने स्मृतिशेष सरोज वर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'मृत्योर्मा ऽमृतं गमय' पुस्तक का विमोचन किया। श्री ओमप्रकाश वर्मा ने पुस्तक प्रकाशन में सहयोगी श्री नवनीत आर्य, ठा. विक्रम सिंह एवं वेदप्रिय शास्त्री आदि आर्यो का माला एवं शॉल से अभिनन्दन किया। पुस्तक विमोचन के अवसर पर गुरुकुल कांगड़ी के कुलपति डॉ. रूपकिशोर, सत्यार्थ प्रकाश न्यास के अध्यक्ष अशोक आर्य, एमएल गोयल, अवनीश मैत्रि: जयपुर आदि उपस्थित थे। 2 हजार पुस्तक न्यास को प्रचार प्रसार हेतु भेंट भी की गई।

27 फरवरी को मुख्य अतिथि सिक्किम के पूर्व राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी रहे उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सांस्कृतिक केंद्र सही अर्थो में देश की सेवा और महर्षि के विचारों का प्रसार कर रहा है। इस अद्भुत एवं नवाचारों से पूरित प्रकल्पों को जनता के सम्मुख रखने वाले अशोक आर्य हार्दिक धन्यवाद के पात्र है। देश की स्वतंत्रता के लिए महानायकों का निर्माण करने वाले महर्षि दयानंद को राष्ट्र नायक वीथिका से जन सामान्य जान और मान सकेगा।

- *शेष पृष्ठ 7 पर*

(ऊपर) नवलखा महल के सांस्कृतिक केन्द्र के लोकापर्ण समारोह के अवसर पर मंचस्थ गुजरात के माननीय राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी, उनकी धर्मपत्नी, सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी, जे.बी.एम. ग्रुप के चेयरमैन श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी, डॉलर इंडस्ट्रीज के चेयरमैन श्री दीनदयाल गुप्ता जी, सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह जी, प्रकाश आर्य जी एवं अन्य महानुभाव। (नीचे) उद्बोधन देते आचार्य देवव्रत जी, श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी एवं ध्वजारोहण करते अतिथिगण

आर्यसमाज के कार्यकर्ताओं को एक बार अवश्य जाना चाहिए: आर्यसमाज के विचारों एवं सिद्धान्तों को सरलता से समझने का एक बेहतर केन्द्र बना है उदयपुर न्यास

नवलखा महल स्थित गैलेरी का अवलोकन करते आचार्य देवव्रत जी, उनकी धर्मपत्नी, सभा महामन्त्री श्री विनय आर्य जी, श्री जोगेन्द्र खट्टर जी एवं सत्यार्थ प्रकाश न्यास उदयपुर के अध्यक्ष श्री अशोक आर्य जी

स्मृतिशेष महाशय धर्मपाल जी की 100वी जयन्ती पर यज्ञ : 'शाहजी: दि किंग ऑफ स्पाइस' का विमोचन

शाहजी की इच्छानुसार सभा ने किया गया अंग्रेजी जीवनी का प्रकाशन

महर्षि दयानन्द सरस्वती के अनन्य शिष्य, वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों के प्रचार-प्रसार और विस्तार में प्रेरक कीर्तिमान स्थापित करने वाले, धर्मवीर, कर्मवीर एवं महान दानवीर पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी की 100वीं जयंती पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ द्वारा 25 मार्च 2023 को स्मृति यज्ञ का आयोजन किया गया। गुरुकुल, कन्या गुरुकुल, आर्य विद्यालय, विभिन्न आर्य समाजों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों सहित देश विदेश के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्यों ने महाशय जी के महान व्यक्तित्व और प्रेरक कृतित्व से प्रेरणा प्राप्त की।

आर्य समाज हनुमान रोड के सभागार में आयोजित इस विशेष यज्ञ में महाशय जी की सुपुत्री श्रीमती सुषमा शर्मा जी, श्री सचिन शर्मा जी, श्री अमित शर्मा जी एवं आर्य समाज ह्यूस्टन से पधारे श्री भूषण वर्मा जी ने यजमान के रूप में आहुति देकर महाशय जी को स्मरण किया। यज्ञ के उपरांत सभागार में स्थित सभी अधिकारी कार्यकर्ताओं सदस्यों ने महाशय जी के सेवा कार्यों से प्रेरणा लेने और उनको नित निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया विशेष रुप से अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के प्रधान श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी ने महाशय जी को नमन करते हुए कहा कि महाशय जी के गुण कर्म स्वभाव के कुछ अंश ईश्वर मुझे भी प्रदान करे जिससे उनके द्वारा संचालित सेवा कार्यों को हम सुचारू रूप से आगे बढ़ा सकें। श्री विनय आर्य जी ने महाशय जी को स्मरण करते हुए कहा कि महाशय जी द्वारा रोपा हुआ सेवा का वृक्ष निरंतर आगे बढ़ रहा है और हम इसे लगातार आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहेंगे। श्री जोगेंद्र खट्टर जी ने सभी विद्यालयों की ओर से महाशय जी को स्मरण किया। श्री धर्मपाल आर्य जी ने महाशय जी को सेवा साधना का प्रेरक स्वरूप बताया और इस अवसर पर प्रगति प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अनु वासुदेवा जी द्वारा अनुवादित एवं सम्पादित अंग्रेजी पुस्तक 'शाहजी : दि किंग ऑफ स्पाइस' का का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के वैदिक प्रकाशन विभाग से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक महानुभाव पुस्तक प्राप्त करने के लिए 9540040339 से सम्पर्क करें।

यज्ञाहुतियां प्रदान करते श्री भूषण वर्मा, श्रीमती सुषमा शर्मा, श्री सचिन शर्मा एवं श्री अमित जी।

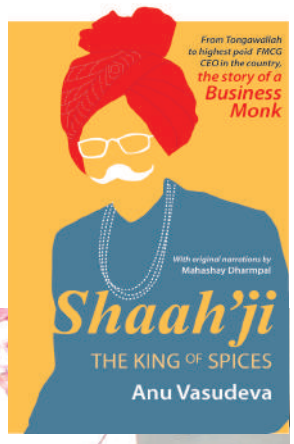

प्रोजेक्ट प्रगति के अन्तर्गत चयनित प्रतिभावान विद्यार्थी श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य, श्री भूषण वर्मा जी एवं श्रीमती विजय लक्ष्मी वर्मा जी से छात्रवृति प्राप्त करते हुए

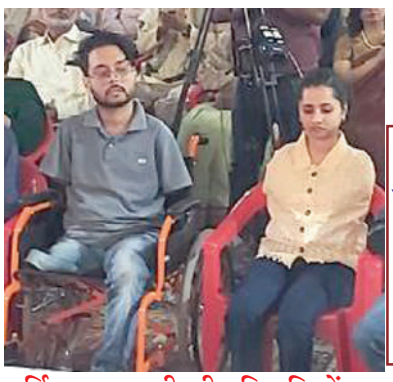

श्रीमती एवं श्री भूषण वर्मा जी को स्मृति रूप में महर्षि दयानन्द जी की प्रतिकृति भेंट करते श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी।

विशिष्ट प्रतिभा के धनी हैं दिव्यांग शुभम कुमार एवं कु. निष्ठा जैन

दिल्ली सभा की अपील पर छात्रवृति हेतु आर्यजनों ने की 11000/- वार्षिक दान देने की घोषणाएं : आप भी दें सहयोग

Hindu Lost to Muslims due to idol worship : What does History Teach us

– *Dr. Vivek Arya*

History of a country gives us opportunity to learn from our mistakes and to decide for the better in the Future. It's sad to say that we Hindus have not learned any lessons from our past. Idolatry was one of the major cause of our loss to the Muslim invaders. Main reason was that by our Hindu Kings never thought that the Idolatry gives rise to superstitions. I am posting a post with authentic reference from various sources to prove my stand.

The Hindus indeed lost to Muslims due to idol worship

Muslim Ruler of Multan Exploiting Hindu Princes due to Idol of Temple. During the troubles that befell the Caliphate in the latter half of the ninth century, Dogra Sindha, neglected by the central government, came to be divided among several petty princes, the most powerful of whom were the Amirs of Multan and Mansura. Such disunion naturally weakened the political power of the Musalmans, which had in fact begun to decline earlier in the century. For in the reign of Al Mutasim (A.D. 833-S42), the Indians of Sindh 'declared themselves independent, but they spared the mosque, in which the Musalmans were allowed to perform their devotions undisturbed. The Muhammadans of Multan succeeded in maintaining their political independence, and kept themselves from being conquered by the neighboring Hindu princes, by threatening, if attacked, to destroy an idol which was held in great veneration by the Hindus and was visited by pilgrims from the most distant parts. (Reference- Al Baladhuri Page 446)

But in the hour of its political decay Islam, was still achieving missionary successes.Idol worship giving Birth to Superstitions leading to loss of Faith and conversion to Islam Al Baladhuri tells the following story of the conversion of a king of Usayfan a country between Kashmir and Multan and Kabul. The people of this country worshipped an idol for which they had built a temple. The son of the king fell sick, and he desired the priests of the temple to pray to the idol for the recovery of his son. They retired for a short time, and then returned saying, "We have prayed and our supplications have been accepted." But no long time passed before the youth died. Then the king attacked the temple, destroyed and broke in pieces the idol, and slew the priests. He afterwards invited a party of Muhammadan traders who made known to him the unity of God ; whereupon he believed in the unity and became a Muslim.(Reference- Page 223,224-The Preaching of Islam by Arnold Thomas Walker)

Looting and Destruction of **Hindu temples like Somnath**

When Mahmud of Ghazni attacked Somnath temple, it was razed to the ground, its priests and other devotees were humbled and reduced to a most wretched condition, and an army of hundreds of thousands of soldiers was put to flight by a force of 10,000 men. A pretty miracle indeed! The popish priests offered presents to the god, worshiped and praised him and addressed prayers to him, thus O god of gods! Do thou destroy this barbarian and take us under thy protection. They would tell their dupes ruling princes: Do not be at all anxious. Rest assured, Mahadeva is sure to send Bhairava or Virabhadra for your assistance who will destroy or blind all these barbarians Or they would tell them,Our god is sure to manifest himself presently. Hanumaan ,Bhairava and Durga have appeared to us in a dream and promise to do everything for us.

Those poor simple Rajas were easily taken in by these popes. They believed in all that they said and, therefore, did not resist the invader. Many popes, who were astrologers, said that that was not an auspicious time for them to fight, because one said it was the 8th moon while the other said that the Yoginee star would face them (when they go to fight) and so on, they were altogether misled by the popes (and therefore they did nothing to defend themselves). When they were surrounded on all sides by the barbarians, they tried to escape from their miserable plight. Hundreds of popish priests and their dupes fell into the hands of the enemies. Their priests with folded hands implored the Mohammedans to spare their temple and the idol, and offered to pay Rs. 30,000, 000 as ransom but the Mohammedans answered that they were not idol-worshipers but idol-breakers and off they went and began demolish the temple.

When the roof fell, and he magnetic rocks were shifted, down fell the idol which, when broken, was found to contain Rs. 180,000,000 worth of diamonds. They were told to point out where the treasury was. Through fear of punishment, they revealed everything. There upon the Mohammedans, having looted the treasury and thrashed the priests, made slaves of them as well as of their dupes.

They made them grind corn, cut grass and carry urine and feces but gave them nothing but parched grain to eat. Oh! Why did these people ruin themselves by the worship of stones? Why did they not worship the Almighty God whereby they could have put the barbarians, to rout and gained victory over them? Had they worshiped heroes and brave men in place of all those idols, what a protection they would have afforded?

The priests worshipped those stones so devoutly and yet not one of them shifted from its place, fell upon the head of one of the invaders and broke it. Had they served a single brave man as they did the idols, he would have done his best to protect those who had served him and to destroy their enemies. (Reference- Satyarth Prakash by Swami Dayanand Chapter 11)

Muhammad Bin kasim Victory over Raja Dahir was associated with superstitions related to Idolatry

In 8th century Mohammad bin kasim attacked Deval town of Sindh. The Hindu king Dahir fought bravely. He was a follower of Devi and in his fort there was a Devi temple. He was having a belief that until the flag over the temple is flying he can never lose war. Raja Dahir fought very bravely and was about to win the war against invaders. Kasim came to know about this superstition of the king. Kasim bribed the temple priest to remove the flag. Next morning as the king went in the battle field the priest removed the flag of the temple. The king and his soldiers thought that the Devi was unhappy from him. So, he and his army lost their heart and finally the winning battle. Mohammad bin kasim killed the king and captured the fort. He killed the priest too saying if he can betray his own king why cannot he betray an outsider? Kasim army broke the idol and destroyed the temple, raped thousands of girls, carried thousands of Hindus as slaves for sale in the slave market of Kabul. Kasim took two very beautiful daughters of king to gift to Persia (Reference- Bharat me Murtipooja- Pt Rajender, Atroli)

Idol worship had brought doom to we Hindus in the past. It had caused a big loss to human race. It's time for readers to decide whether they want to learn lesson from History or they still want to carry on with superstitions related to idolatry.

(Remnants of Somnath Temple destroyed by Muslims)

पृष्ठ 2 का शेष

महर्षि के सिद्धांतों, उनकी शिक्षाओं, आर्य समाज की मान्यताओं और परंपराओं का हम सबको लगातार प्रचार-प्रसार और विस्तार करने का संकल्प लेना चाहिए। यह हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य यज्ञ है। प्रधानमंत्री जी ने अपनी विशिष्ट शैली आर्य समाज का यह भी आह्वान किया कि आने वाले समय में जहां हम एक तरफ 200वीं जयंती है, वहीं आर्य समाज का 150वां स्थापना दिवस भी है, दो वर्षीय आयोजन 2024-25 तो चलेंगे ही 2026 में स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान की शताब्दी भी है। ये तीनों अवसर त्रिवेणी के समान हैं। इन कार्यक्रमों को आर्य समाज विश्व स्तर पर आयोजित करे, जिसमें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का भी सहयोग मार्ग दर्शन आर्य समाज के साथ रहेगा। अतः हम सब आर्यजनों का परम कर्तव्य है कि हम सब मिलकर एक तरफ प्रधानमंत्री जी के प्रति कृतज्ञता और आभार व्यक्त करें और दूसरी तरफ अपने कर्तव्यों को भी करने के लिए संकल्प लेकर आगे बढ़ें। सभी को हार्दिक बधाईयां और अनन्त शुभकामनाएं। –***सम्पादक***

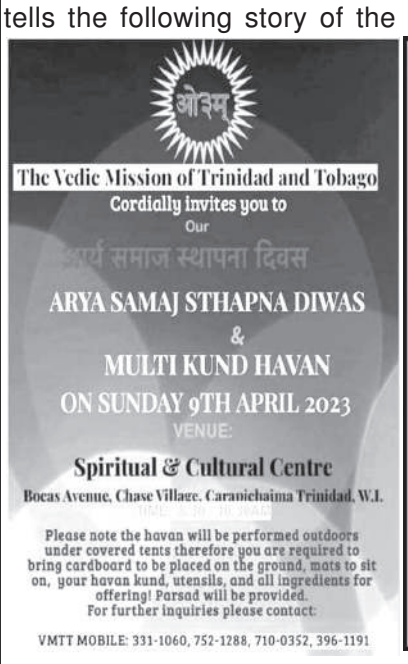

श्री महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मारक ट्रस्ट-टंकारा

प्रवेश सूचना

ऋषि जन्म भूमि पर गुरुकुल चल रहा हैं।

- **कक्षा-6, कक्षा-7, कक्षा-8, कक्षा-9, कक्षा-11** में प्रवेश ले सकते हैं।
- **कक्षा-उपदेशक**

इसमें 10वीं कक्षा पास छात्र प्रवेश ले सकते हैं। जिसमें **संस्कार, सिद्धान्त** आदि का प्रशिक्षण दिया जाता हैं। यह 4 वर्ष का कोर्स हैं।

प्रवेश 15 जून 2023 से 5 जुलाई 2023 तक रहेगा। यहां **हरियाणा (भिवानी) बोर्ड** एवं **महर्षि दयानन्द युनिवर्सिटी** की परिक्षाएं होगी। कृप्या सभी पाठयक्रम गुरुकुल पद्धति से ही किया जायेगा।

सम्पर्क करें:
आचार्च रामदेव शास्त्री जी
मो. 9913251448

पृष्ठ 4 का शेष

दिन का शुभारम्भ यज्ञ से हुआ जिसमें वैदिक विद्वान् श्री रघुवीर वेदालंकार ने आशीर्वचन कहें।

द्वितीय दिवस के समारोह में उदयपुर नगर निगम के पूर्व महापौर चन्द्रसिंह कोठारी थे। कन्या गुरुकुल शिवगंज की आचार्या सूर्या देवी चतुर्वेदा ने महर्षि द्वारा नारी उत्थान के कार्यों का उल्लेख किया। साध्वी उत्तमा यति, पुष्पा शास्त्री, मावली के विधायक धर्म नारायण जोशी, विधायक फूल चंद मीणा आदि सम्मानित लोगों ने मंच पर अपने विचार रखें ।

इस अवसर पर श्रीमद्दयानंद सत्यार्थ प्रकाश न्यास के अध्यक्ष अशोक आर्य का शॉल, माला से उल्लेखनीय नवाचारों को साकार करने हेतु विशिष्ट सम्मान किया गया। इस विशाल समारोह के संयोजक एवं न्यास के संयुक्त मंत्री डॉ. अमृतलाल तापड़िया ने बताया कि दो दिवसीय इस भव्य कार्यक्रम में देश विदेश के लगभग दस हजार अतिथियों के भोजन एवं आवास की उत्तम व्यवस्था न्यास की ओर से की गई। समारोह आयोजन में नवलखा महल आर्यों की पूरी टीम मंत्री श्री भवानीदास आर्य के नेतृत्व में पूर्ण समर्पण से व्यवस्थाओं में लगी रही जिसमे विनोद राठौर, जिग्नेश शर्मा, कृष्ण कुमार सोनी, राजकुमार सरला गुप्ता, अवनीश मैत्रि:, इन्द्रप्रकाश यादव, ऋचा पीयूष, मित्तल बंधु एवं भूपेंद्र शर्मा सहित अनेक समर्पित आर्य कार्यकर्त्ता थे।

श्री दीनदयाल जी की अध्यक्षता में न्यास की मीटिंग हुई जिसमें मंत्री भवानीदास आर्य, कोषाध्यक्ष नारायण लाल मित्तल, अध्यक्ष अशोक आर्य, सांसद सुमेधानंद, डॉ. एस के माहेश्वरी, ललिता मेहरा, महेश गोयल, शारदा गुप्ता, एस एस कोठारी, आनंद आर्य आदि न्यास के कार्यकारिणी के सदस्यों ने भाग लिया।

– *अशोक आर्य, अध्यक्ष*

ऋषि बोधोत्सव पर सम्मान

स्त्री आर्य समाज साकेत नई दिल्ली में 19 फरवरी को ऋषि बोधोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर आचार्या डा सुकामा जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ, विश्ववारा कन्या गुरुकुल की बेटियों के भजन व आचार्य वीरेन्द्र तथा डॉ. सुकामा के महर्षि दयानंद के संबंध में प्रवचन हुए। मुख्य अतिथि के रुप में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने महर्षि दयानंद एवं आर्य समाज के भावी कार्यक्रमों के संबंध में प्रेरणास्पद उद्बोधन दिया। आर्य समाज म्यांमार के प्रधान श्री अशोक क्षेत्रपाल भी उपस्थित रहे। आर्य समाज साकेत की ओर से इस अवसर पर सभा मंत्री श्री विनय आर्य व श्री अशोक

क्षेत्रपाल का अभिनन्दन भी किया गया तथा डा सुकामा जी को पद्मश्री पुरस्कार मिलने पर आर्य समाज साकेत का ओर से सम्मान पत्र व 51000/–की राशि सभा मंत्री श्री विनय आर्य जी, श्री अशोक क्षेत्रपाल जी, श्रीमती प्रमिला नैयर, श्रीमती ललिता मेहता, श्रीमती आरती भल्ला श्री धर्मवीर पंवार, डॉ. पूर्ण सिंह डबास, डॉ. अर्जुन देव तनेजा, कर्नल एस.के. कपूर के द्वारा भेंट की गई।– *मंजीत शास्त्री, मन्त्री*

निर्वाचन समाचार

आर्यसमाज यमुना विहार
ब्लाक बी–1, दिल्ली–110053

प्रधान : श्री जय भगवान गोयल
मन्त्री : श्री विश्वास वर्मा
कोषाध्यक्ष : श्री देवेन्द्र गुप्ता

शोक समाचार

डॉ. वेदप्रताप वैदिक का निधन

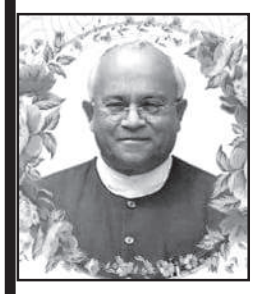

आर्यसमाज के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक जी का 14 मार्च, 2023 की प्रात: हृदयगति रुक जाने से 79 वर्ष की आयु में अकस्मात निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ लोधी रोड शमशान घाट में किया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 18 मार्च को सम्पन्न हुई।

श्री सुनील मानकतला जी का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई के पूर्व अधिकारी, सुप्रसिद्ध दानवीर, समाजसेवी स्व. श्री ओंकारनाथ मानकटाला जी के सुपुत्र एवं टंकारा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री सुनील मानकतला जी का दिनांक 4 मार्च, 2023 का को अकस्मात निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया।

श्री जवाहरलाल भाटिया जी का निधन

आर्यसमाज दिलशाद गार्डन दिल्ली के पूर्व अधिकारी एवं दिल्ली सभा के विशेष आमन्त्रित सदस्य श्री जवाहर भाटिया जी का दिनांक 20 मार्च, 2023 को अकस्मात निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 23 मार्च को सम्पन्न हुई।

आचार्य कुंवरपाल शास्त्री को मातृशोक

आर्यसमाज बिरला लाइन्स के धर्माचार्य आचार्य कुंवरपाल शास्त्री जी की पूज्या माताजी श्रीमती राममूर्ति देवी जी का 12 मार्च, 2023 को अकस्मात निधन हो गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 29 मार्च को आर्यसमाज बिरला लाइन्स में सम्पन्न हुई।

श्री योगेन्द्र लाम्बा जी का निधन : आर्यसमाज पश्चिम विहार दिल्ली के उप प्रधान श्री योगेन्द्र लाम्बा जी का दिनांक 17 मार्च, 2023 को अकस्मात निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 20 मार्च को सम्पन्न हुई।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परम एपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त बपरिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। –सम्पादक

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का राष्ट्रीय शिविर
हरियाणा में : 3 से 11 जून 2023
शिविर में भाग लेने की इच्छुक आर्य वीरांगनाएं जिनकी आयु 14 वर्ष से अधिक हो, वे अपने नाम 20 मई तक निम्नलिखित नंबर पर लिखवा दें।

साध्वी डॉ उत्तमा यति	मृदुला चौहान	आरती खुराना	विमला मलिक
प्रधान संचालिका	संचालिका	सचिव	कोषाध्यक्ष
(8750482498)	(9810702760)	(9910234595)	(9810274318)

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 3 अप्रैल, 2023 से रविवार 9 अप्रैल, 2023

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2021-22-2023

LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 5-6-7/4/2023 (बुध-वीर-शुक्रवार)

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2021-23

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 5 अप्रैल, 2023

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड का त्रैवार्षिक निर्वाचन सम्पन्न

श्री डी.पी. यादव - प्रधान, श्री चन्द्र प्रकाश - मन्त्री एवं श्री नारायण दत्त पांचाल - कोषाध्यक्ष निर्वाचित

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड, आर्यसमाज धामावाला देहरादून का त्रैवार्षिक निर्वाचन रविवार 12 मार्च, 2023 को आर्यसमाज कोटद्वार में निर्वाचन अधिकारी श्री एवं पर्यवेक्षक श्री कृपाल सिंह जी की देखरेख एवं अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस निर्वाचन में **श्री डी.पी. यादव जी** को **प्रधान, श्री चन्द्र प्रकाश जी को मन्त्री एवं श्री नारायण दत्त पांचाल को कोषाध्यक्ष** निर्वाचित घोषित किया गया। शेष कार्यकारिणी का गठन निम्न प्रकार किया गया -

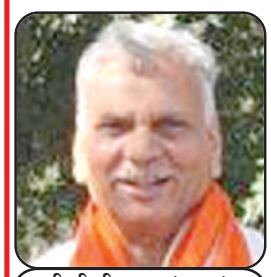

श्री डी.पी.यादव (प्रधान)

श्री चन्द्र प्रकाश (मन्त्री)

श्री नारायणदत्त (कोषाध्यक्ष

व. उप प्रधान - डॉ. विनय खुल्लर जी, **उप प्रधान** - सर्वश्री सुधीर गुलाटी, महेन्द्र आहूजा एवं श्री आनन्द प्रकाश अग्रवाल। **व. उप मन्त्री** - श्री मनमोहन सिंह आर्य जी, **उपमंत्री** - सर्वश्री शंकर सिंह क्षेत्री, मयंक गुप्ता एवं श्री प्रदीप शाह। **सह कोषाध्यक्ष** - श्री संदीप यादव। **अधिष्ठाता, आर्य वीर दल** - श्री योगेन्द्र मेधावी जी, **सह अधिष्ठाता** - श्री विभु ग्रोवर जी। **पुस्तकाध्यक्ष** - श्रीमती संगीता चड्ढा। **सह पुस्तकाध्यक्ष** - श्री नरेन्द्र लाल जी। **लेखा निरीक्षक** - श्री पृथ्वीराज आर्य। पर्यवेक्षक श्री कृपाल सिंह जी द्वारा सभी नवनिर्वाचित अधिकारियों को आर्य समाज एवं वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार एवं महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के संकल्प कृण्वन्तो विश्वमार्यम की पूर्ति के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई गई।

समस्त निर्वाचित पदाधिकारियों को दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

प्रतिष्ठा में,

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल का त्रैवार्षिक निर्वाचन सम्पन्न

श्री जगदीश प्रसाद केडिया प्रधान एवं श्री उदय सरकार महामन्त्री निर्वाचित

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल, 42 शंकर घोष लेन कोलकाता (पं. बंगाल) का त्रैवार्षिक निर्वाचन रविवार 22 जनवरी, 2023 को रवीन्द्र भारती सोसायटी के रथीन्द्र मंच में निर्वाचन अधिकारी श्री कृपाल सिंह जी की देखरेख एवं अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस निर्वाचन में हुए मतदान में बहुमत के आधार पर **श्री जगदीश प्रसाद केडिया जी** को **प्रधान एवं श्री उदय सरकार को पुनः महामन्त्री** निर्वाचित घोषित किया गया। नव निर्वाचित प्रधान एवं महामन्त्री द्वारा शेष कार्यकारिणी का मनोनयन

श्री जगदीश प्रसाद केडिया (प्रधान)

श्री उदय सरकार(मन्त्री)

श्री सत्यव्रत राय (कोषाध्यक्ष

निम्न प्रकार किया गया, जिसे चुनाव अधिकारी द्वारा निर्वाचित घोषित किया।

संरक्षक - श्री दीनदयाल गुप्त, **उप प्रधान** - पं. वेद प्रकाश शास्त्री एवं आचार्य योगेश शास्त्री। **संयुक्त मन्त्री** - श्री मधुसूदन शास्त्री, **उपमन्त्री** - श्री आशीष मंडल एवं श्री प्रशान्त विद्यालंकार। **कोषाध्यक्ष** - श्री सत्यव्रत राय।

ऑस्ट्रेलिया में वैदिक ग्लोबल ने 25 हवन कुंड सहित मनाया हिंदू नव वर्ष मनाया

ऑस्ट्रेलिया23मार्च(आजादशर्माचरणदीपबेदी)ऑस्ट्रेलियाकेमेलबर्नमेंवैदिकग्लोबल द्वारा 25 हवन कुंड में प्रेम हंस द्वारा विधि पूर्वक पूजा अर्चना एवं हवन यज्ञ कर हिंदू नव वर्ष मनाया गया। इस दौरान मुख्य तिथि के रूप में सहाना रमेश कॉउन्सलर विंधम कौंसिल, भारतीय कौंसिल जनरल सुशील कुमार, पूर्व एमपी ग्राहम वाट और पूर्व एमपी रेचल वाट के रूप में शिरकत की। मंच का संचालन डॉक्टर रितेश चुग ने किया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने कार्यक्रमों में मौजूद सभी लोगों को हिंदू नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने भी हवन यज्ञ में आहुतियां डालकर विश्व की कामना कर भगवान से प्राथना की। इस अवसर पर वैदिक ग्लोबल की टीम ने मुख्य अतिथियों को सनमान चिन्ह सम्मानित किया। यहां पर ऑस्ट्रेलिया ब्राहमण सभा के चेयरमैन एचपी भारद्वाज, प्रधान चंद्र शर्मा , विशाल शर्मा, राकेश रायजादा, मोनिका रायजादा, सोनीला शर्मा, अनु शर्मा, आशना शर्मा, अंशुमन शर्मा, केशव शर्मा, अभयम शर्मा, जेसिका शर्मा, सरयू भारद्वाज,भव्या शर्मा नेपाली समाज से रंजन श्रीवास्तव, भूटानी कम्युनिटी से परशराम शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स, यूनिट नं.-21, प्रधान कॉम्प्लेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह